ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-५२
दिनांक- शनिवार, १६ जुलाई, २०२२

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 36.4 एवं 26.7 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 77 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 58 प्रतिशत, हवा की औसत गति 8.0 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 8.7 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 11.4 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 32.4 एवं दोपहर में 43.7 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(16–20 जुलाई, 2022)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 16–20 जुलाई, 2022 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- उत्तर बिहार के जिलों में अगले दो दिनों तक अधिकांश स्थानों में आमतौर पर मौसम शुष्क रहने की सम्भावना है। उसके बाद मानसूनी रेखा उत्तर की ओर आने के कारण मानसून सक्रिय हो सकता है जिसके कारण वर्षा की सक्रियता में वृद्धि हो सकती है। जिससे 20–21 जुलाई के आसपास उत्तर बिहार के अनेक स्थानों पर अच्छी वर्षा की सम्भावना है। पूर्वी तथा पश्चिमी चम्पारण तथा तराई के अन्य जिलों के कुछ स्थानों पर थोड़ी अधिक वर्षा हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 35 से 37 डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान 25–28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 70 से 80 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 50 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 10 से 15 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पुरवा हवा चलने का अनुमान है।

• समसामयिक सुझाव

- विगत पूर्वानुमान की अवधि में उतर बिहार में वर्षा न होने कारण बहुत से किसान भाई अभी तक धान की रोपाई नहीं कर पाये है ऐसे किसान २० जुलाई के आसपास वर्षा की सम्भावना को देखते हुए रोपाई मध्यम जमीन में करें। धान की रोपाई के समय उर्वरकों का व्यवहार सदैव मिट्टी जाँच के आधार पर करें। यदि मिट्टी जाँच नहीं कराया गया हो तो मध्यम एवं लम्बी अवधि की किस्मों के लिए 30 किलोग्राम नेत्रजन, 60 किलोग्राम स्फुर एवं 30 किलोग्राम पोटाष तथा अगात किस्मों के लिए 25 किलोग्राम नेत्रजन, 40 किलोग्राम स्फुर एवं 30 किलोग्राम पोटाष के साथ 25 किलोग्राम जिंक सल्फेट या 15 किलोगग्रम प्रति हेक्टर चिलेटेड जिंक का व्यवहार करें।
- जो किसान भाई धान की रोपाई कर चुके है वैसे किसान भाई धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए रोपाई के 2–3 दिन बाद तथा एक सप्ताह के अन्दर ब्यूटाक्लोर (3 लीटर दवा प्रति हेक्टेयर) या प्रीटलाक्लोर (1.5 लीटर दवा प्रति हेक्टर) या पेन्डीमिथेलीन (3 लीटर दवा प्रति हेक्टर) का 500–600 लीटर पानी मे घोल बनाकर एक हेक्टर क्षेत्र में छिड़काव मौसम साफ रहने पर करें।
- मिर्च का बीज उथली क्यारियों मे गिराये। इसके लिए उन्नत प्रभेद कृष्णा, अर्का लोहित, पूसा ज्वाला, पूसा सदाबहार, पंजाब लाल, काषी अनमोल तथा संकर किस्में अर्का ष्वेता, अर्का मेघना, अर्का हरिता, काषी सुर्ख, काषी अगेती, काषी तेज अनुशंसित है। उन्नत किस्मों के लिए बीज दर 1 से 1.5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा 200 से 300 ग्राम संकर किस्मों के लिए रखें। क्यारियों की चौड़ाई एक मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार 3–4 मीटर रखें। बीज को गिराने से पूर्व थायरम 75 प्रतिषत दवा से बीजोपचार करें।
- उचॉस जमीन में अरहर की बुआई करें। उपरी जमीन में बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 20 किलो नेत्रजन, 45 किलो फास्फोरस, 20 किलो पोटाष तथा 20 किलो सल्फर का व्यवहार करें। बहार, पूसा 9, नरेद्र अरहर 1, मालवीय–13, राजेन्द्र अरहर–1 आदि किस्में बुआई के लिए अनुषसित है। बीज दर 18–20 किलो प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई के 24 घंटे पूर्व 2.5 ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए।
- सब्जियों में आवष्यकतानुसार निकाई–गुड़ाई करें तथा लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें। इन कीट का प्रकोप दिखाई देने पर बचाव के लिए इमिडाक्लोरोप्रिड दवा का 0.3 मी.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर फसल में छिड़काव करें।
- आम के पौधों की उम्र (10 वर्ष से अधिक) के अनुसार फलन समाप्त होने के बाद अनुषंसित उर्वरको जैसे 15–20 किलोग्राम सड़ी गोबर की खाद, 1.25 किलोग्राम नेत्रजन, 300–400 ग्राम फॉसफोरस,1.0 किलोग्राम पोटाष, 50 ग्राम बोरेक्स तथा 15–20 ग्राम थाइमेट प्रति पौधा प्रति वर्ष के अनुसार उपयोग करें। जिससे अगले वर्ष पौधे फलन में आ सकें तथा उनका श्वास्थ अच्छा बना रहें।
- केला की रोपाई करें। उत्तर बिहार में लम्बी किस्मों के लिए अलपान, चम्पा, कंथाली, मालभोग, चिनियाँ, शक्कर चिनियाँ, फिआ–23 तथा बौनी एवं खाने वाली किस्मों के लिए ग्रैडनेन, रोबस्टा, बसराई, फिआ–1 अनुषंसित है। सब्जी वाली किस्में बतीसा, सावा, बनकेल, कचकेल, फिआ–3 तथा सब्जी एवं फल दोनों में उपयोग आने वाली किस्में कोठियाँ, मुठियाँ, दुधसागर एवं चकिया अनुशंसित है। लम्बी जातियों में पौधा से पौधा की दुरी 2.0 मीटर है एवं बौनी जातियों में 1.5 मीटर रखें।

आज का अधिकतम तापमानः 36.7 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 3.9 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 26.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.7 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी